

समानसवैया पुं. (तत्.) एक सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 32 मात्राएँ होती हैं, 16-16 पर यति होती है तथा अंत में भगण होता है।

समानस्थान पुं. (तत्.) भूगोल में, वह स्थान जहाँ दिन-रात का मान बराबर हो, मध्यवर्ती स्थान।

समानांतर पुं. (तत्.) 1. समान अंतर टि. वे रेखाएँ जो सदा समान दूरी पर रहती हैं 2. आपस में कभी मिलती नहीं हैं।

समाना अ.क्रि. (तद्.) 1. अंदर आना/भरना 2. समाविष्ट होना, अंतर्भूत होना 3. मिलकर एकाकार होना 4. लीन होना 5. व्याप्त होना 6. डूबना वि. 1. समान 2. अनुरूप।

समानाधिकरण वि. (तत्.) 1. एक ही आधार वाले पदार्थ 2. जो एक ही श्रेणी के हो 3. एक ही कारक की विभक्ति से युक्त।

समानाधिकार पुं. (तत्.) 1. समान अधिकार, बराबरी का हक 2. समानता का अधिकार।

समानार्थ वि. (तत्.) समान या एक अर्थ वाले, पर्याय।

समानार्थक वि. (तत्.) समान अर्थ वाला, समानार्थी।

समानार्थी वि. (तत्.) समानार्थक।

समानिका स्त्री. (तत्.) एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः रगण, जगण, गुरु और लघु के योग से 8 वर्ण होते हैं।

समानी स्त्री. (तद्.) 'मल्लिका' नामक एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः रगण, जगण और गुरु के योग से सात वर्ण होते हैं।

समानुपात पुं. (तत्.) गणि. समान अनुपात जैसे- 1 और 2 तथा 4 और 8 में समानुपात है, चार राशियाँ a, b, c, d समानुपात में तब कही जाती हैं जबकि प्रथम दो राशियों का अनुपात शेष दो राशियों के अनुपात के बराबर हों, इस प्रकार यदि

$$\frac{a}{b} = \frac{c}{d} \text{ तो } a, b, c, d \text{ समानुपात में होती है,}$$

इसकी लेखन विधि है $a : b :: c : d, a : b = c : d$

समानुपातिक पुं. (तत्.) गणि. समान अनुपात वाले, समानुपात संबंधी, लेखन विधि है $a : b :: c : d, a : b = c : d$ ।

समानुभूति स्त्री. (तत्.) मनो. 1. किसी कलात्मक वस्तु अथवा दृश्य को देखने में पूर्ण तल्लीनता 2. कलात्मक अनुभूति।

समानोदक वि. (तत्.) साथ तर्पण करने वाले।

समानोपमा स्त्री. (तत्.) उपमा अलंकार का एक प्रकार जिसमें उच्चारण की दृष्टि से एक ही शब्द भिन्न प्रकार से खंड करने पर भिन्न अर्थों का द्योतक होता है।

समापक वि. (तत्.) समाप्त करने वाला, पूरा करने वाला।

समापन पुं. (तत्.) 1. समाप्त करने की क्रिया या भाव, पूरा करना 2. समाप्ति, अंत, उपसंहार 3. ग्रंथ का खंड या अध्याय 4. अवधि की समाप्ति।

समापनीय वि. (तत्.) समाप्त करने योग्य वध्य, वध करने योग्य। उपसंहार करने योग्य।

समापन्न वि. (तत्.) 1. प्राप्त, घटित 2. पूरा किया हुआ पुं. 1. समाप्ति, पूर्ति 2. अंत, मृत्यु।

समापवर्तक पुं. (तत्.) वह संख्या या राशि जो दो या अधिक संख्याओं या राशियों में से प्रत्येक का गुणनखंड हो जैसे- 8, 16, 20 का समापवर्तक 4 है।

समापवर्तन पुं. (तत्.) गणित में वह क्रिया जिससे राशियों या संज्ञाओं का अपवर्तन करके उनका समापवर्तक निकाला जाता है।

समापिका क्रिया स्त्री. (तत्.) व्या. वाक्य-पूर्ति के निमित्त आने वाली वह पूर्ण क्रिया जिससे किसी कार्य की समाप्ति सूचित होती है जैसे- वह जाकर बैठ गया। 'बैठ गया' समापिका क्रिया है।

समापित वि. (तत्.) समाप्त, पूर्ण किया हुआ।

समापी वि. (तत्.) समाप्त करने वाला, समापन करने वाला।